चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	3.03.25	2	3-6

The Tribune

'Diversification can boost agricultural production'

HISAR, MARCH 2

The Department of Agronomy, Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU), recently organised a field day programme on the role of crop science in sustainable crop production.

Vice-Chancellor BR Kamboj was the chief guest at the event.

The VC urged scientists to educate farmers about advanced seed varieties, biofertilisers and sustainable farming techniques.

He emphasised the need to raise awareness among farmers about low-cost, high-yielding crops and organic farming methods to improve soil health.

He said adopting crop diversification could help farmers increase their agricultural production.

Vice-Chancellor BR Kamboj with scientists and other officials.

Farmers should be made aware of methods for controlling weeds, pests and diseases, he added.

Kamboj inspected various ongoing experiments on wheat, mustard, chickpea and other Rabi crops at the Agronomy Department's research farm.

He also reviewed the progress of research related to new agricultural techniques and provided necessary guidance for the experiments.

The VC advised all departments to work in tandem with one another, and said, with shrinking farm sizes, scientists needed to focus more on developing high-yielding crops.

Kamboj also participated in a tree plantation drive at the department's research field.

Dr Rajbir Garg, Director of Research, elaborated on the research being conducted by the university on various topics such as climate change, food security, environmental concerns and the latest farming technologies.

Dr Sanjay Thakral, Head of Department, provided detailed information on the department's ongoing work. — TNS

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	3.03.25	5	3-8

दैनिक भास्कर

एचएयू में कृषि मेला 17 व 18 को आयोजित होगा, कृषि उद्यमिता बढ़ाने पर जोर रहेगा

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) हिसार में 17-18 मार्च को कृषि मेला खरीफ आयोजित किया जाएगा। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि इस वर्ष मेले का विषय कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देना होगा। मेले में आने वाले किसानों को विवि के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देने बारे में जानकारियां दी जाएंगी। मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी हिस्सा लेंगी। किसानों को मशीनों, यंत्रों व उनकी कार्य प्रणाली, कीमत व निर्माताओं की जानकारी मिलेगी।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि इस साल भी मेला एचएयू के गेट नं. 3 के सामने मेला ग्राउंड पर लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विवि द्वारा खरीफ फसलों के उन्नत बीज, बायोफर्टिलाइजर व कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर लगाए जाएंगे। किसानों को एचएयू के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई रबी फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई टेक्नोलॉजी की जानकारी दी जाएगी। मेला में मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की जांच करवाने की किसानों को सुविधा प्रदान की जाएगी। मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग 3 मार्च सोमवार से शुरू की जाएगी। मेले में लगभग 250 स्टॉलें लगाई जाएंगी। प्राइवेट कंपनियों को स्टॉल पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवंटित होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	3.03.25	4	1-3

हकृवि में कृषि मेला 17-18 मार्च को

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 17-18 मार्च को कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देने बारे में जानकारियां दी जाएंगी।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि इस वर्ष मेले का विषय कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देना होगा। इस मेले में विभिन्न बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी। विस्तार शिक्षा निदेशक

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का गेट नंबर चार।

डा. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट नंबर 3 के सामने मेला ग्राउंड पर लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई खरीफ फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि किसानों को कृषि, पशुपालन तथा गृह विज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए मेले के दोनों दिन प्रश्नोत्तरी सभाएं आयोजित की जाएंगी। पौधों की जांच करवाने की किसानों को सुविधा मिलेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	3.03.25	8	5

हकृवि में कृषि मेला 17-18 मार्च को

हिसार, 2 मार्च (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 17-18 मार्च को कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस वर्ष मेले का विषय कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने बताया मेले में आने वाले किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देने बारे में जानकारियां दी जाएंगी। कुलपति ने बताया कि इस मेले में विभिन्न बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। सह निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग 3 मार्च से की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	3.03.25		

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मेला 17-18 मार्च को

कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देने बारे देंगे जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 17-18 मार्च को कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष मेले का विषय कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देना होगा। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने रविवार को बताया कि मेले में आने वाले किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देने बारे में जानकारियां दी जाएंगी। इस मेले में विभिन्न बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी।

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का पलैचर भवन। फोटो : हरिभूमि

किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी।

मेला ग्राउंड में लगेगा मेला

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट न. 3 के सामने मेला ग्राउंड पर लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई खरीफ फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई रबी फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई टेकनालोजी की जानकारी दी जाएगी।

स्टॉलों की बुकिंग शुरू

सह निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि कृषि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग तीन मार्च से शुरू की जाएगी। मेले में लगभग 250 स्टाले लगाई जाएंगी। प्राइवेट कंपनियों को स्टॉल पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवंटित किए जाएंगे। हकृवि द्वारा मेले में आने वाले किसानों के लिए सभी प्रकार के समुचित प्रबंध किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	5.03.25	4	4-5

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मेला (खरीफ) 17 को

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में 17-18 मार्च को कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि इस वर्ष मेले का विषय कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देना होगा। मेले में आने वाले किसानों को कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देने बारे में जानकारियां दी जाएंगी।

शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट नंबर-3 के सामने मेला ग्राउंड पर लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई खरीफ फसलों के उन्नत बीज और बायोफर्टिलाइजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे।

कुलपति प्रो. कांबोज बोले-मेले में कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देने के बारे में दी जाएगी जानकारी

उन्होंने बताया कि किसानों को कृषि, पशुपालन तथा गृह विज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए मेले के दोनों दिन प्रश्नोत्तरी सभाएं आयोजित की जाएंगी।

मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की जांच करवाने की किसानों को सुविधा प्रदान की जाएगी। सह निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि कृषि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग 3 मार्च (सोमवार) से शुरू की जाएगी। मेले में लगभग 250 स्टालें लगाई जाएंगी। प्राइवेट कंपनियों को स्टॉल पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवंटित किए जाएंगे। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	3.03.25	5	3-8

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मेला 17 से

हिसार, 2 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 17-18 मार्च को कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का विषय कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने बताया मेले में आने वाले किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देने बारे में जानकारियां दी जाएंगी। कुलपति ने बताया कि इस मेले में विभिन्न बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट न. 3 के सामने मेला ग्राउंड पर लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई खरीफ फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर

मेले में कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देने संबंधी दी जाएगी जानकारी : प्रो. काम्बोज

स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई रबी फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई टेकनालोजी की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि किसानों को कृषि, पशुपालन तथा गृह विज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए मेले के दोनों दिन प्रश्नोत्तरी स[illegible] आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की जांच करवाने की किसानों को सुविधा प्रदान की जाएगी। सह निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि कृषि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग 3 मार्च (सोमवार) से शुरू की जाएगी। मेले में लगभग 250 स्टालें लगाई जाएंगी।

प्राइवेट कंपनियों को स्टॉल पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवंटित किए जाएंगे। हकृवि द्वारा मेले में आने वाले किसानों के लिए सभी प्रकार के समुचित प्रबंध किए जाएंगे। गौरतलब है कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हर साल मार्च में कृषि मेला आयोजित करता है जिसमें हरियाणा तथा पड़ोसी राज्यों से हजारों किसान भाग लेते हैं। इस मेले में एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी भी लगाई जाती है।